शंकराचार्य के अनुसार ज्ञान का वर्गीकरण =

शंकराचार्य ने ज्ञान को दो भागों में बांटा है।

(i) अपरा ज्ञान
(ii) परा ज्ञान

(i) **अपरा ज्ञान** :- स्वयं के अनुभव के माध्यम से अपने भौतिक वातावरण से अन्तः क्रिया करते हुए सांसारिक ज्ञान अर्जित करना अपरा ज्ञान है।

(ii) **परा ज्ञान** :- इस प्रकार के ज्ञान को शुद्ध एवं आध्यात्मिक श्रेणी में रखा गया है। इस प्रकार के ज्ञान की प्राप्ति गुरु, वेद, साहित्य, एवं धार्मिक ग्रन्थों के माध्यम से दी जाती है।

काण्ट के अनुसार ज्ञान दो प्रकार के होते हैं।

(i) प्रागनुभाविक ज्ञान
(ii) अनुभाविक ज्ञान

Scanned with CamScanner

स्थानीय एवं सार्वभौमिक ज्ञान
(LOCAL AND UNIVERSAL KNOWLEDGE)

(i) **स्थानीय ज्ञान -:**

स्थानीय विशेषताओं तथा सूचनाओं पर आधारित ज्ञान स्थानीय ज्ञान कहलाता है। यह ज्ञान समस्त स्थलों हेतु उपयोगी नहीं होता है।

स्थानीय इतिहास, सामाजिक मूल्य, स्थानीय परम्परायें, राजनैतिक आँकड़े इत्यादि

(ii) **सार्वभौमिक ज्ञान :-** सार्वभौमिक ज्ञान किसी स्थान विशेष तक सीमित नहीं होता है। बल्कि सम्पूर्ण समाज (स्थल) पर व्यापक रूप से फैला होता है। सार्वभौमिक ज्ञान की विश्वसनीयता स्तर अधिक होता है।

जैसे — प्राकृतिक विज्ञान का प्रयोग विश्व के किसी भी कोने मे किया जा सकता है।

Unit. II

Date
Page

पाठ्यक्रम क्या है?
(WHAT IS CURRICULUM?)

औपचारिक रूप से शिक्षा प्रदान करना विद्यालय जैसी संस्था का दायित्व है" किन्तु व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन की प्रक्रिया विद्यालय मे पूर्ण नहीं हो पाती जिससे विद्यालय के बाहर भी प्रयास किया जाता है। इस प्रकार परिवर्तन कैसे, किसके द्वारा, किस स्तर तक (कितना) अनेक प्रश्नो का समाधान 'पाठ्यक्रम' जैसे साधन से प्राप्त होता है। अत: पाठ्यक्रम का सम्बन्ध शिक्षा के औपचारिक साधन (विद्यालय) से है।

पाठ्यक्रम का अर्थ:–
(MEANING OF CURRICULUM)

पाठ्यक्रम शब्द अंग्रेजी भाषा के Curriculum शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। जो लैटिन भाषा से अंग्रेजी मे लिया गया है। जो लैटिन शब्द 'कुर्रेर' से बना है जिसका अर्थ 'दौड़ का मैदान' है।

Scanned with CamScanner

अतः पाठ्य क्रम वह साधन है जिसके द्वारा शिक्षा व जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति होती है। यह अध्ययन का निश्चित एवं तर्कपूर्ण क्रम है। जिसके माध्यम से शिक्षार्थी के व्यक्तित्व का विकास होता है।

वर्तमान समय में पाठ्यक्रम का तात्पर्य उसके विस्तृत स्वरूप से है जिसमे पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं भी शामिल हो।

पाठ्यक्रम की परिभाषा:—
DEFINITION OF CURRICULUM:—

सी.वी. गुड के अनुसार:— "अध्ययन के किसी प्रमुख क्षेत्र में उपाधि प्राप्त करने के लिए निर्धारित किए गये क्रमबद्ध विषयों एवं विषय समूह को पाठ्यक्रम कहा जाता है।"

डी.वी. के अनुसार "सीखने का पाठ्यक्रम या विषय; पदार्थों, विचारों और सिद्धान्तों का चिंतन है जो निरन्तर उद्देश्यपूर्ण क्रियान्वेषण से साधन के रूप में आता है।"

Scanned with CamScanner